बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १७ जून, २००७)

(समय : दोपहर २:०० से ४:१५) **सत्संग परिचय - २** **कुल प्राप्तांक : ७५**

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं ।

विभाग-१ : किशोर सत्संग परिचय - प्रथम आवृत्ति, फरवरी १९९९

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''कृपया यह स्वर्ण ले जाओ और यह मेरी ओर से भगवान स्वामिनारायण को अर्पित कर देना ।'' ३८

२. ''तुम्हारे मामा के साधुओं को पीटा गया है ।'' ७७

३. ''तुम अखंड ब्रह्मचर्य का पालन कर यहीं रहो और हमारी सेवा करो ।'' ५८

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. मंत्री के पुत्र को बेचैनी होने लगी । १७

२. गरासिया गलुजी की माँ के चरण छूकर चले गए । ९

३. गुंदाली गाँव के काठीभाईओं का मुक्तानंद स्वामी जैसा कल्याण हुआ । ७८

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१२ पंक्ति में) (५ गुण)

१. कल्याण के लिए गरज । (८३) २. दामोदरभाई । (३९) ३. गोरधनभाई । (९९)

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. विष्णुदास डभाण से क्या लेकर गढडा जाते थे ? क्यों ? ४७

२. श्रीजीमहाराज ने किस हेतु को सिद्ध करने के लिए मन्दिरों का निर्माण किया? २२

३. भाईचन्दभाई द्वारा पूछे गए प्रश्नों में से किन्हीं दो लिखिए ? १२

४. थप्पड मारनेवाले संत के लिए दामोदरभाई ने कया कहा ? ३९

५. ब्रह्मानंद स्वामी को श्रीजीमहाराज ने कौन-सी मूर्ति में दर्शन दिए थे ? १४

प्रश्न.५. हीरा किसी रीति से..... (८५) - **'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए । अथवा (५ गुण)**
वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ८ (५२) **का विवरण लिखिए ।**

प्रश्न.६. निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (८ गुण)

१. ''जरकसीओ जामो ..... मारे भावता रे ।'' ८२

२. ''वादी हराव्या ..... सर्वोपरि महाराज ।'' ७

३. ''रमूज करता रे ..... माळा तोडे ।'' ६३

४. ''भवसंभव ..... भजे सदा ॥'' - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए । ३४

विभाग-२ : प्रागजी भक्त - प्रथम आवृत्ति, नवम्बर १९९८

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''श्रीजीमहाराज को सर्वोपरि मानकर बिना किसी कामना के उनकी उपासना करोंगे और निष्काम व्रत का पालन करोगे तो मैं तुम्हें अक्षरधाम ले जाऊँगा।'' ४४

२. ''आपने उसकी सेवाओं का फल दिया है ।'' १९

३. ''यह बालक तो साधु बनेगा, श्रीजीमहाराज की सर्वोपरि-निष्ठा का प्रसार करेगा ।'' ३१

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. त्रिकमदास कोठारी को स्वामी के स्वरूप का विश्वास हो गया । २७

२. प्रागजी भक्त ने धन का स्वीकार नहीं किया । १०

३. श्रीजीमहाराज शास्त्रीजी महाराज - यज्ञपुरुषदासजी जैसे परम एकान्तिक संत में सदा ही प्रगट रहते हैं । ६२

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १७ जून, २००७; परीक्षा- सत्संग परिचय - २; माध्यम - हिन्दी; समय - दोपहर २:०० से ४:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | | |

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केंद्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

प्रश्न.९. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (५ गुण)

१. शास्त्री यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी को गुरु स्वीकार किया । (३७) २. वांसदा के दीवान के साथ सत्संग । (४६)

३. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व । (५१)

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. संतत्व की कला सीखनेवाले में किस प्रकार का सामर्थ्य आता है ? १७

२. खानदेश के हरिभक्त सत्संग के लिए कहाँ जाने लगे ? ४५

३. बाल प्रागजी भक्त खाना खाकर कहाँ सो गए ? २

४. भगतजी ने रंगाचार्य को क्या समझाया ? ५१

५. वडोदरा के हरिभक्तो को गोपालानंद स्वामी ने क्या कहा ? ५

प्रश्न.११. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (६ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी ने कहा, ''मैंने तो सारी कुंजिया प्रागजी को सौंप दी हैं ।'' २३

(१) ☐ कोठारी बेचरदास को धक्का लगा ।

(२) ☐ स्वामी ने मंदिर की कुंजी अमईदास को दी ।

(३) ☐ स्वामीने अक्षरधाम की कुंजी प्रागजी भक्त को दी ।

(४) ☐ स्वामी ने कुंजी प्रागजी भक्त को देकर कहा, मैं तो अब निवृत्त हो गया हूँ ।

२. गोपालानंद स्वामी पीठवड़ी आए तब गाँव के हरिभक्तों ने बाल प्रागजी भक्त का परिचय करवाया । ३

(१) ☐ गोपालानंद स्वामीने कहा, ''यह तो अनादि से भक्त हैं ।''

(२) ☐ गोपालानंद स्वामीने कहा, ''यह तो बहुत समर्थ है ।''

(३) ☐ यह बालक हजारों से भगवान का भजन करवाएगा ।

(४) ☐ 'यह तो महान भक्त होगा' - ऐसा रघुवीरजी महाराज ने कहा ।

३. भगतजी के अंतिम दर्शन के लिए कौन उपस्थित थे ? ६१

(१) ☐ यज्ञपुरुषदासजी । (२) ☐ जागा स्वामी ।

(३) ☐ जेठा भगत । (४) ☐ विज्ञानदासजी ।

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (६ गुण)

१. अहमदाबाद में भगतजी गुणातीतानंद स्वामी को अक्षर कहते थे । ३२

२. भगतजी के बड़े भाई नरसिंहभाई को विषधर नाग ने काट लिया । ६२, ६३

३. योगानंद स्वामी प्रागजी भक्त को गुणातीतानंद स्वामी से मिलाने के लिए जूनागढ ले गए । ६

४. भगतजी ने रावसाहब को कहा, 'इन साधुओं को डपटो ।' ४०

५. आचार्य महाराज ने दीवानजी को पगडी बंधवाई । ४७

६. गुणीजन गुणकुं नव तजे, अवगुण न तजे गुलाम । ३०

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक १५ जुलाई, २००७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं ।

❋ ❋ ❋